जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

क्रमांक:- ज.वि.प्रा. / अति.मु.न.नि. / बी.पी.सी.(बीपी) / 2023 / डी-1112-

दिनाक:- 04/10/2023

भवन निर्माण स्वीकति पत्र

1.	वसरा/भूखण्ड संख्या	खसरा नम्बर 314, 336, 337, 338, ग्राम जैतपुरा उर्फ हाज्यावाला, तहसील सांगानेर, जयपुर।		
2	55-50 165550 1655 165 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6	मैसर्स प्लेटिनम रियल्टी बिल्डर्स, जरिये पार्टनर, श्री सुभाव गुप्ता, 3, S.M.S. COLONY, MAHARANI FARM, DURGAPURA, JAIPUR.		
3.	भूखण्ड का क्षेत्रफल	7534.00 व.मी.		
4.	भूखण्ड के सामने सड़क की चौडाई	60 फीट, 40 फीट व 30 फीट		
5.	लीजडीड जारी दिनांक	03.11.2014 भू-उपयोग:- आवासीय प्रयोजनार्थ		
6.	पुर्नगठित/एकल पट्टा/उप विभाजन	एकल पटटा		
7.		ग्रुप हाउसिंग प्रयोजनार्थ भवन मानचित्र अनुमोदन बाबत्।		
8.	यास्तुविद का नाम एवं पंजीयन क्रमांक	श्री बलजिन्दर सिंह, सी.ए./2002/29354		
नुमो	दित मानदण्डः	1 11/1 2027 2004		
1.	भवन मानचित्र अनुज्ञा अवधि	भवन मानचित्र अनुज्ञा अवधि मानचित्र जारी होने की दिनांक से 7 वर्ष		

1.	भवन मानचित्र अनुद्गा अवधि	भवन मानचित्र अनुज्ञा अवधि मानचित्र जारी होने की दिनांक से 7 व अर्थात दिनांक 03.10.2030 तक प्रभावी है।				
2.	सैटबैक	सामने	पार्ख-।	पार्श्व-।	1	पीछे
		15.24 मी.	9.50 मी.	9.50 मी		9.50 利.
3.	सकल निर्मित क्षेत्रफल	41,383.46 व.मी.				
4.	बी.ए.आर.	4.026 (30,335.28 च.मी.)				
5.	आच्छादित क्षेत्रफल	39.57 प्रतिशत (2981.59 व.मी.)				
6.	कँचा ई	1.15 मी. (प्लिन्थ) + 38 मी. (भूतल से 11 तल) = 39.15 मी. + 7.75 मी. (भशीन रूम/ममटी/वाटर टैंक) कुल 46.90 मी.				
7.	तलों की संख्या	(लीअर बेसमेन्ट + अपर बेसमेन्ट + भूतल से 11 तल)				
8.	पार्किंग	कार		स्कृटर	वस	कुल ईसीय
		सरफेस	मैकेनिकल			2. 6.11.2
		248	1	240	-	328

 प्रथम अनुमोदन/संशोधन 		प्रथम अनुमोदन		
2	समिति की बैठक संख्या एवं दिनांक	274वीं बैठक दिनांक 26.06.2023		

अनापात्त प्रमाण पत्रः

1.	अग्निशमन विभाग	अधिवास प्रमाण पत्र आवेदन के	समय प्रस्तत की जानी है।		
2	पर्यावरण विभाग का Consent to operate	अधिवास प्रमाण पत्र आवेदन के समय प्रस्तुत की जानी है।			
3.	गारतीय नागरिक उड्डयन विभाग	Airport Noc dated 05.06.2023 के अनुसार 50 मीटर कँचाई अनुझेय जिसकी पैथता अवधि दिनांक 04.06.2031 तक है। साईट कॉर्डिनेट् निम्नानुसार है:—			
		26 48 36.27 N	75 45 28.88 E		
		26 48 37.48 N	75 45 29.01 E		
		26 48 34.28 N	75 45 36.16 E		
		26 48 36.16 N	75 45 29.75 E		
		26 48 34.05 N	75 45 31.70 E		
		26 48 37.13 N	75 45 32.17 E		

सामान्य शर्तः-

निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व आप उपायुक्त जोन-04, प्राधिकरण को निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत करेंगे।

2. "स्वीकृत मानचित्र मौके पर उपयुक्त स्थान पर बोर्ड लगाकर उस पर स्पष्ट रूप से दर्शाने होगें।

 निर्माण स्थल पर स्वीकृति का विवरण अर्थात अनुमोदित मानचित्र, उपलब्ध पार्किंग की सूचना एवं भवन में सुरक्षा एवं निकास प्लान (Escape Plan) का नक्सा भी प्रदर्शित (Display) उपयुक्त स्थान पर प्रदर्शित किया जावें। 🎾

 भवन का उपयोग प्रारंभ होने पर एक केयर टेकर की नियुक्ति की जावें जिसके पास भवन का मानचित्र, सुरक्षा एवं निकास प्लान (Escape Plan) उपलब्ध रहें। इस प्रकार नियुक्त केयर टेकर के मोबाईल नंबर एवं Land Line Number भी लिये जाकर पुलिस आयुक्त जयपुर महानगर व उपायुक्त जोन को सूचना उपलब्ध करवाई जावें ताकि किहीं भी दुर्घटना की स्थिति में बचाव कार्य प्रभावी रूप से किये जा सकें।

 विकासकर्तो द्वारा भवन के परिसर को स्वीकृत मानचित्र में दर्जित/निर्धारित अनुसार ही उपयोग में लिया जावेगा। भवन विनिधम 2020 के प्रावधान संख्या 10.3.2(x) के अनुसार भवन में अपेक्षित सेवाओ यथा प्रस्तावित जल वितरण प्रणाली, जल मल निकासी प्रणाली, विद्युत सेवाएँ, वातानुकूल सेवाएँ आदि से संबंधित मानधित्रों के दो सैट जो कि आवेदित परियोजना की डिजाईन व निर्माण की क्रियान्विति हेंतु अनुबंधित किये गये काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट एवं परियोजना के स्ट्रक्चरल इंजीनियर से ही प्रमाणित किये हुये, अधिकतम 90 दिवस की अवधि में उपलब्ध करवाया जाना आवश्यक होगा।

 प्रकरण बहुमंजिला मवन होने के कारण भवन विनियम 2020 के प्रावधान संख्या 10.3.2(xi) के अनुसार आप द्वारा भवन में अग्निशमन संबंधित प्रावधान एन.बी.सी. के अनुसार रखे जाने आवश्यक होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी आपकी होगी। भवन निर्माण पूर्ण हो जाने के पश्चात अधिवास प्रमाण–पत्र जारी करने से पूर्व अग्निशमन अनापत्ति

प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

8. परियोजना में मूखण्ड के क्षेत्रफल, प्रस्तावित सकल निर्मित क्षेत्रफल एवं ऊँचाई अनुसार भवन विनियम 2020 से संबंधित प्रावधान संख्या 10.11 (पर्यावरण संख्रण हेतु नियम), नियम 10.11.1 (वर्षा जल संग्रहण), 10.11.2 व नविवि के आदेश दिनांक 07.09.2021 (अपशिष्ट जल का शुद्धिकरण एवं रिसाईकिलींग हेतु प्रावधानों की अनुपालना) 10.11.3 (पर्यावरण हेतु वृक्षारोपण), 10.11.4 (सॉलिड वेस्ट डिस्पोजल), 10.11.5 (सौर ऊर्जा संयत्र), 10.112.5 य 16.3 (सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट), 12.1 (पार्किंग क्षेत्र की पालना), 12.3 (विद्युत आवश्यक की पूर्ति हेतु संबंधित विद्युत वितरण एजेन्सी के प्रावधान), विनियन संख्या 15 (निर्माण कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया), नियम संख्या 15.5 (भवन विनियम के अपेक्षाओं के अनुरूप भवन निर्माण) के प्रावधानों की अनुपालना की जानी होगी।

भवन विनियम 2020 के प्रावधान संख्या 12.1.4 (अ) के अनुसार आवश्यक पार्किंग का 10 प्रतिशत EV Charging

Facility के प्रायधान की मौके पर सुनिश्चितता की जावेंगी।

 मवन में RPWD Act 2016, UNCRPD Act 2008 एवं प्रचलित भवन विनियम में विनिर्दिष्ट धाराओं के अनुसार विशेष योग्यजनों के लिए आवश्यक मापदण्ड / सुविधाओं / साईन बोर्ड / विशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जानी होगी।

- नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश दिनांक 14.12.2022 के अनुसार भवन विनियम 2020 के प्रावधान संख्या 12.4 के अनुसार भवन में Common Telecom Infrastricture (CTI) के प्रावधान की पालना सुनिश्चित की जानी होगी।
- 12. आकाशीय बिजली से बचाव हेतु भवन में Thunder stick (तिडेत चालक) का प्रावधान रखा जाना अनिवार्य होगा।
- भवन परिसर में आगतुकों की पार्किंग उपलब्ध करवाई जाए तथा आगतुकों हेतु निःशुल्क बाहन पार्किंग का बोर्ड लगवाया जावे।
- 14. निर्मित भवन के प्रवेश द्वार के पास भवन में अनुमोदित व उपलब्ध चार पिहया व दो पिहया वाहनों के पार्किंग की सूचना का बोर्ड (डिस्पले) लगवाया जावे।

यह भवन निर्माण स्वीकृति स्वामित्व का दस्तावेज नहीं हैं।

- 16. भवन विनियम 2020 के विनियम संख्या 18.3 की अनुपालना में "गलत तथ्यों पर प्राप्त की गई अथवा तथ्यों को छुपाकर प्राप्त की गई स्वीकृति स्वतः निरस्त मानी जायेगी एवं ऐसी निर्माण स्वीकृति प्राप्त करने के लिए आवेदनकर्ता को दोषी माना जायेगा।"
- 17. प्रश्नगत प्रकरण किसी भी न्यायालय में यदि लंबित है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी। यदि मानचित्र जारी होने के पश्चात यह अवगत हुआ कि किसी भी माननीय न्यायालय में प्रकरण लंबित है अथवा विपरीत निहित है तो मानचित्र स्वतः ही निरस्त समझे जावेंगें।

18. उक्त स्वीकृति के कारण यदि जयपुर विकास प्राधिकरण को किसी न्यायालय, सक्षम अधिकारी तथा नगर भूमि (अधिकतम सीमा एवं विनियम) अधिनियम के तहत नियुक्त अधिकारी के समक्ष किसी कार्यवाही में कोई भी खर्च, नुकसान, मुआवजा देना पढ़े या देने योग्य हो तो प्राथी उनकी इस क्षति को पूर्ण करने के लिए बाध्य होगा।

- 19. तकनीकीविज्ञ के निरीक्षण में स्वामी निर्माण कार्य करवायेगा जिसके संबंध में सूचना प्राधिकरण को पूर्व में देनी होगी। यदि तकनीकीविज्ञ को बदला जाता है तो इसकी सूचना 48 घन्टे के अन्दर यथीबिल प्रमाण-पत्र में प्राधिकरण को देनी होगी।
- 20. भवन मानचित्र इस शर्त के साथ जारी किये जाते है कि आप द्वारा परियोजना का निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने के पश्चात नियमानुसार पूर्णता एवं अधिवास प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना आवश्यक हैं।
- 21. नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश दिनांक 10.08.2023 के अनुसार भूखण्ड से लगती हुई सम्पूर्ण सभी सडकों का विकास, फुटपाथ एवं वृक्षारोपण का प्रायधान स्वयं के व्यय पर सुनिश्चित किया जाना होगा।
- 22. नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार के आदेश दिनांक 10.08.2023 के अनुसार भवन में प्रत्येक लिपट में ए. आर.डी. (Automatic Rescue Device) सिस्टम का प्रावधान रखा जाना होगा।
- 23. आप द्वारा प्रस्तुत भवन मानिवजों में भूतल पर गेस्ट क्लम प्रस्तावित किये गये है। उक्त गेस्ट क्लम का व्यवसायिक उपयोग एवं विक्रय नहीं किया जायेगा तथा इन गेस्ट क्लम को बाकी सुविधाओं के साथ ही RWA को हस्तान्तरित किया जायेगा।
- 24. आप द्वारा लेबर सेस की प्रति वर्ष शेष राशि स्वयं के स्तर पर लेबर विभाग में जमा करवाई जानी होगी।

विशेष शर्तः-

1 यह भवन निर्माण अवधि दिनांक 02.11.2024 तक (जोन की रिपोर्ट अनुसार भवन निर्माण अवधि लीजडीड जारी दिनांक 03.11.2014 से 10 वर्ष) देय होगी।

2. ⁽⁾ यह भवन मानिषेत्र अनुष्ठा अवधि मानिषेत्र जारी होने की दिनांक से 7 वर्ष अर्थात दिनांक 03.10.2030 तक प्रभावी हैं।

प्रकरण में मूल परियोजना पर निम्नानुसार EWS/LIG आवास प्रस्तावित किये गये है:-

क्र.सं. आवासों की संख्या सुपर बिल्ट अप एरिया

1.	EWS- 27 ईकाई	1017.99 व.मी.
2	UG — 26 ईकाई	1085.36 व.मी.
	53 EWS/LIG	2103.35 च.मी. (6.80%)

4. परियोजना में कुल 53 EWS/UG इकाईयां प्रस्तावित की गई हैं। अतः नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के परिपत्र दिनांक 07.09.2022 की सामान्य शर्त 4ए (i) के अनुसार EWS/UG आवासों का निर्माण कार्य भवन मानचित्र जारी होने की दिनांक से 30 माह में पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा।

 भवन मानचित्र जारी किये जाने की दिनांक से 60 दिवस की अवधि में उक्त EWS/UG पलैट्स हेतु नियमानुसार आवेदन आमंत्रित किया जाना आवश्यक होगा एवं मुख्यमंत्री जन आवास योजना 2015 के प्रावधानों में निधारित

प्रक्रिया अपनाते हुए आवंटन किया जावेंगा।

6. यह भवन निर्माण स्वीकृति आप द्वारा मांग राशि जमा होने एवं बेटरमेन्ट लेवी हेतु निम्नानुसार पांच उत्तर दिनांकित चैक प्रस्तुत किये जाने के आधार पर दी जा रही है:--

क्र.स.	बैंक का नाम	चैक संख्या	दिनांक	कुल राशि
1.		001184	28.08.2024	39,84,588 /-
2.	ICICI BANK	001185	28.05.2025	39,84,588 /-
3		001186	28.02.2026	39,84,588 /-
4.		001187	28.11.2026	39,84,588 /-
5.		001188	28.08.2027	39,84,588 /-

यदि आप द्वारा प्रस्तुत उत्तर दिनांकित चैंक अनादरित (Dishonor) होते हैं तो नियमानुसार ब्याज देय होगा एवं आप द्वारा बेटरमेन्ट लेवी राशि जमा नहीं करवायें जाने पर मयन निर्माण स्वीकृति स्वतः ही निरस्त मानी जावेंगी। मवन मानवित्र समिति (बिल्डिंग प्लान) की 276वीं बैठक दिनांक 11.08.2023 में लिये गये नीतिगत निर्णयानुसार उत्तर दिनांकित चैंक अनादरित (Dishonor) होने पर भविष्य में आपकी किसी भी अन्य परियोजना का जविप्रा द्वारा अनुमोदन नहीं किया जावेंगा तथा मुख्य नियंत्रक (प्रवर्तन) द्वारा जविप्रा एक्ट की धारा 32, 33, 34ए एवं अन्य संबंधित धाराओं के प्रावधानानुसार उक्त परियोजना का कार्य को मौके पर रूकवाने हेतु सूचित किया जाकर प्रवर्तन शाखा द्वारा भवन को सीज करने की अदिलम्ब कार्यवाही की जावेगी।

संलग्न:- मानचित्रों की प्रति का 1 सेट (17 मानचित्र)

भवदीय, अतिरिक्त मुख्य नगर प्रियोक्तक, भवन मानचित्र समिति (बीपी) जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

प्रतिलिपि:— सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

 मुख्य नियन्त्रक (प्रर्वतन), जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानधित्रों की प्रति (17 मानधित्र) संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं।

 उपायुक्त, जीन-08, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर को मानचित्रों की प्रति (१७ मानचित्र) संलग्न कर अधिम कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं।

प्रबंध निवेशक, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिए, विद्युत भवन जनपथ, जयपुर को सेक्सनार्थ प्रेषित है।

 मुख्य अभियन्ता, मुख्यालय जन स्वाध्य अभियात्रिकी विभाग इसनपुरा रोड, रेल्वे हॉर्स्शिटल के पास, जयपुर को सूचनार्थ प्रेषित है।

 उपायुक्त राजस्य-प्रथम, नगर निगम, जयपुर को पत्र क्रमांक एफ. 6() / उपा. रा (प्रथम) / जीनि / 2019 / 18 दिनांक 08.03.2019 को क्रम में सचनार्थ प्रेषित हैं।

 श्री विष्णु मोहन झा, चीफ एयरपोर्ट अधिकारी, जयपुर इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जयपुर को क्व क्रमांक 1253–56 दिनांक 07.02.2023 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित है।

> अतिरिक्त मुख्य नेपूर नियोजक, भवन मानचित्र समिति (बीपी) जयपुर विकास प्राधिकरेश, जयपुर।

































